बालमन

Powered by Teachers of Bihar

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

वर्ष 2024

माह जुलाई

अंक 31

प्रधान संपादक :- धीरज कुमार [U.M.S. सिलौटा , भभुआ (कैमूर)]

Dheeraj Kumar- +91 9431680675

Teachers of Bihar - +91 7250818080

info@teachersofbihar.org | teachersofbihar@gmail.com

www.teachersofbihar.org

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)

शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,
(मो०-8544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उद्देश्य से "बाल मन कैमूर" पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में साकारात्मक सोंच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए "बाल मन कैमूर" के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

TEACHERS OF BIHAR

बालमन

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों ,

आप सभी को ढेर सारा प्यार,

कहते हैं की किस्मत की पन्ने वही पलटते हैं जो अपने अंदर की प्रतिभा को बाहर लाते हैं। जी हां! आप सभी की प्रतिभा को एक नई पहचान और उड़ान देने के लिए टीचर्स ऑफ बिहार बालमन की परिकल्पना मेरे द्वारा की गई।आज इस मंच के माध्यम से आपके बहुत सारे प्रतिभाको सभी के द्वारा खूब पसंद किया जा रहा हैं।

प्यारे बच्चों,इस बरसात के मौसम में आपको एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी अपने पर्यावरण के लिए भी निभानी हैं।हमसभी को मिलकर पेड़ लगाने हैं और उनकी देखभाल भी करनी है। आपको यह अंक प्रस्तुत करते हुए हमे बहुत खुशी है।अनजाने में किसी भी भूल या त्रुटि के लिए क्षमाप्रार्थी हूं।

हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

आपका
धीरज कुमार
प्रधान संपादक ToB बालमन
शिक्षक U.M.S. सिलौटा, भभुआ
कैमूर (बिहार)

ToB बालमन

सहयोगी सदस्य

★श्री प्रमोद कुमार निराला

ToB बालमन चांद
(प्रधान संपादक)
कन्या मध्य विद्यालय चांद
[प्रखंड चांद]
(कैमूर)

★श्री कमलेश कुमार

ToB बालमन कुदरा
(प्रधान संपादक)
U.H.S. हरदासपुर
[प्रखंड कुदरा]
(कैमूर)

★श्री राकेश कुमार मणि

(रोचक गणित+दर्शनीय स्थल)
U.H.S. कोटा, नुआंव
कैमूर

★श्री राजेश कुमार सिंह

(विज्ञान कॉर्नर)
M.B.+2 हाई स्कूल कोरिंगावा
बहेरा,भभुआ
(कैमूर)

★श्री अवधेश राम

(शिक्षण अधिगम सामग्री)
उत्क्रमित मध्य विद्यालय
बहुआरा
भभुआ (कैमूर)

★श्रीमती पुनीता कुमारी

(पर्यावरण अध्ययन)
राजकीय मध्य विद्यालय नेउरी
बरौली(गोपालगंज)

Teachers of Bihar

अनमोल विचार

बालमन

एकमात्र अच्छाई ज्ञान है, और
एकमात्र बुराई अज्ञानता है।

हेरोडोटस

राकेश कुमार

टीचर्स ऑफ बिहार गीत

एम आर चिश्ती

चांद तारों को साथ लाएंगे,
हम बहारों को साथ लाएंगे।

जैसे आती नहीं नज़र दुनिया,
हम बनाएंगे वो हंसी दुनिया,
हौसला और अपनी मंज़िल से,
सब नज़ारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

प्रेम की रोशनी जो बिखरेगी
और प्रतिभा सबकी निखरेगी,
खींच लेंगे गगन से इंद्रधनुष
बहते धारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

हम हैं निर्माता अपने भारत के,
पूरे करने हैं सपने भारत के
हम कलम के वही सिपाही है
जो हज़ारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे....

हमने माना, टीचर्स ऑफ़ बिहार
दीप ऐसा जलाएगा इस बार,
हम नवाचारी शिक्षा की रह में
बेसहारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR

बालमन प्रेरक प्रसंग

July 2024

समय का सदुपयोग

किसी गांव में एक व्यक्ति रहता था। वह बहुत ही भला था लेकिन उसमें एक दुर्गुण था वह हर काम को टाला करता था। वह मानता था कि जो कुछ होता है भाग्य से होता है।

एक दिन एक साधु उसके पास आया। उस व्यक्ति ने साधु की बहुत सेवा की। उसकी सेवा से खुश होकर साधु ने पारस पत्थर देते हुए कहा- मैं तुम्हारी सेवा से बहुत प्रसन्न हूं। इसलिय मैं तुम्हे यह पारस पत्थर दे रहा हूं। सात दिन बाद मै इसे तुम्हारे पास से ले जाऊंगा। इस बीच तुम जितना चाहो, उतना सोना बना लेना।

उस व्यक्ति को लोहा नही मिल रहा था। अपने घर में लोहा तलाश किया। थोड़ा सा लोहा मिला तो उसने उसी का सोना बनाकर बाजार में बेच दिया और कुछ सामान ले आया।

अगले दिन वह लोहा खरीदने के लिए बाजार गया, तो उस समय मंहगा मिल रहा था यह देख कर वह व्यक्ति घर लौट आया।

तीन दिन बाद वह फिर बाजार गया तो उसे पता चला कि इस बार और भी महंगा हो गया है। इसलिए वह लोहा बिना खरीदे ही वापस लौट गया।

उसने सोचा-एक दिन तो जरुर लोहा सस्ता होगा। जब सस्ता हो जाएगा तभी खरीदेंगे। यह सोचकर उसने लोहा खरीदा ही नहीं।

आठवें दिन साधु पारस लेने के लिए उसके पास आ गए। व्यक्ति ने कहा- मेरा तो सारा समय ऐसे ही निकल गया। अभी तो मैं कुछ भी सोना नहीं बना पाया। आप कृपया इस पत्थर को कुछ दिन और मेरे पास रहने दीजिए। लेकिन साधु राजी नहीं हुए।

साधु ने कहा-तुम्हारे जैसा आदमी जीवन में कुछ नहीं कर सकता। तुम्हारी जगह कोई और होता तो अब तक पता नहीं क्या-क्या कर चुका होता। जो आदमी समय का उपयोग करना नहीं जानता, वह हमेशा दु:खी रहता है। इतना कहते हुए साधु महाराज पत्थर लेकर चले गए।

सोशल मीडिया से

Teachers of Bihar

बालमन

मन की बात

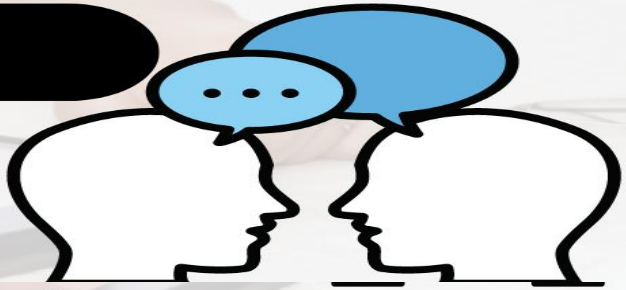

मैं सुहानी कुमारी अपनी प्रतिभा को आज पूरे बिहार के लोगो के बीच रख पाई,जिसके माध्यम से मुझे एक नई पहचान मिली है। इसके लिए टीचर्स आफ बिहार और बालमन की आभारी हूं। टैलेंट हंट कॉम्पिटिशन में शामिल हो कर मुझे बहुत अच्छा लगा और पुरस्कार प्राप्त कर मैं बहुत खुश हूं।पूरे टीचर्स ऑफ बिहार टीम का बहुत बहुत धन्यवाद।

सुहानी कुमारी
वर्ग 7
मध्य विद्यालय बेला गोपी
मुजफ्फरपुर

टीचर्स ऑफ बिहार बालमन का बहुत बहुत धन्यवाद ।इस पत्रिका के द्वारा आयोजित ToB बालमन टैलेंट हंट कॉम्पिटिशन थीम लोकगीत का आयोजन से मुझे अपनी प्रतिभा को सबके बीच रखने का अवसर प्राप्त हुआ। बच्चों कि प्रतिभा को एक मंच देने के लिए टीचर्स ऑफ बिहार का बहुत बहुत धन्यवाद।

नीति कुमारी
वर्ग 7
मध्य विद्यालय सिमराहा
अररिया

ToB बालमन अंतर खोजे

30 सेकंड में 5 अंतर खोजे

Teachers of Bihar
बालमन
जुलाई 2024

विश्व के धरोहर

राजवाड़ा

राजवाड़ा मध्य प्रदेश के इन्दौर शहर में स्थित हैं।इसे होलकर पैलेस या पुराना महल भी कहा जाता है।इंदौर शहर के बीच में स्थित यह एक ऐतिहासिक महल है जिसका निर्माण लगभग 2 शताब्दी पहले मराठा साम्राज्य के होलकरों द्वारा करवाया गया था। उस समय की वास्तुकला का एक अच्छा उदाहरण हैं।यह महल 7 मंजिला संरचना है जो होलकर छतरियों के पास स्थित है। अपने आकार और उम्र के कारण इस संरचना ने पर्यटकों का ध्यान आकर्षित किया है।

होलकर महल का निर्माण होलकर राजवंश के संस्थापक मल्हार राव ने वर्ष 1747 ई. में शुरू करवाया था। यह संरचना शहर के केंद्र के पास खजूरी बाज़ार में स्थित है। महल के दाईं ओर शिव विलास पैलेस हैं और इसके सामने एक बगीचा हैं।

धीरज कुमार
UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

Italy का Venice एक ऐसा शहर है जहां एक भी Road और Car नही है यहां लोग Boat से Travel करते हैं।

ToB बालमन कलाकार

भाग - 1

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय नरहन, रामगढ़, कैमूर

प्रियांशा कुमारी(6th -अ)
मध्य विद्यालय चांद, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय प्रखंड कॉलोनी फुलवारी शरीफ (पटना)

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट गोपालगंज

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा , भभुआ,कैमूर

ToB बालमन कलाकार भाग 2

उत्क्रमित मध्य विद्यालय बखरी खरकठ्ठा,कटिहार

UMS दुघरा, भभुआ ,कैमूर

UMS अर्रा, मोहनियां, कैमूर

प्रा0 वि0 प्रखंड कॉलोनी फुलवारी शरीफ, पटना

ToB बालमन कलाकार भाग 3

प्रा0 वि0 प्रखंड कॉलोनी फुलवारी शरीफ पटना

UHS नरहन रामगढ़ कैमूर

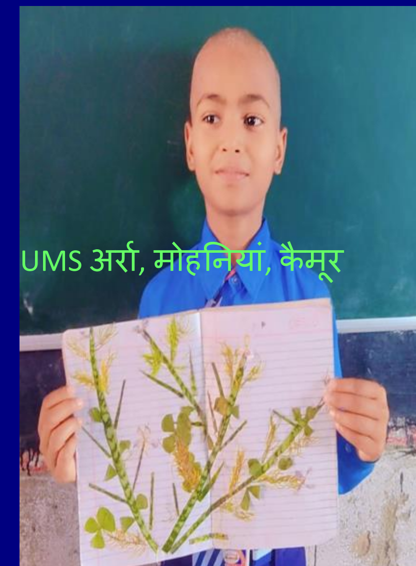

UMS अर्रा, मोहनियां, कैमूर

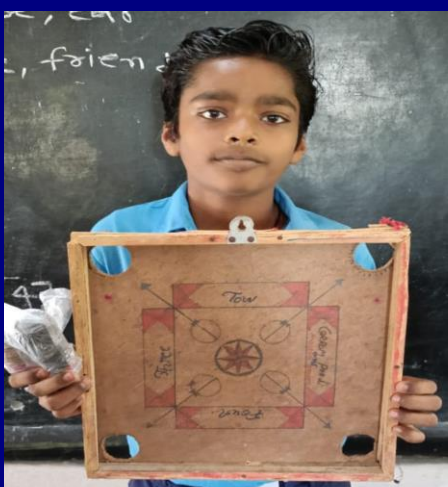

कुंदन कुमार,वर्ग 6,UMS सिलौटा, कैमूर

UHS नरहन रामगढ़ कैमूर

NPS जगरिया, चैनपुर, कैमूर

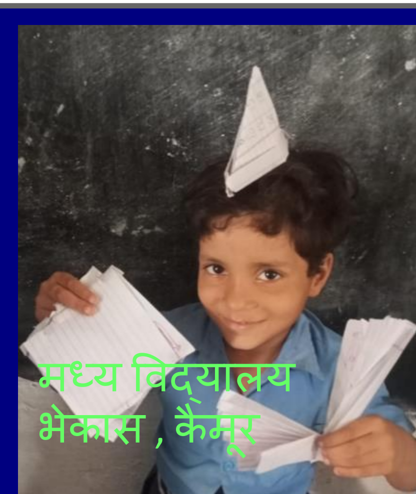

मध्य विद्यालय भेकास , कैमूर

ToB बालमन नन्हें कलाकार भाग 4

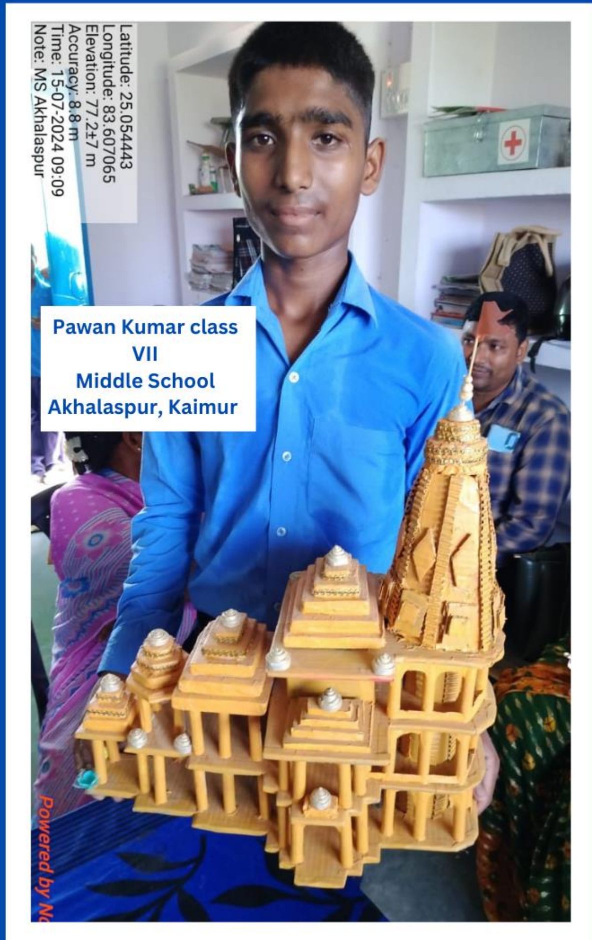

एक नज़र इधर भी......

प्राथमिक विद्यालय खनेठी, रामगढ़, कैमूर

राजकीय मध्य विद्यालय डहरक, रामगढ, कैमूर

कबड्डी खेल का आनंद लेते हुए,
मैं और स्कूल की सारी बच्चियाँ।
म०वि०सुरीगाँव बायसी
पूर्णियाँ।

स्वास्थ्य सुझाव

अमरेंद्र कुमार

एंटीऑक्सीडेंट विटामिन: ये विटामिन शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकने वाले मुक्त कणों को घेर लेते हैं, और प्रतिरक्षा तंत्र को उद्दीप्त कर सकते हैं। दीर्घस्थायी तंत्रिकीय रोगों से ग्रस्त बहुत से लोग पूरल लेते हैं, जिनमें विटामिन ए (बीटा-कैरोटीन), सी और ई शामिल हैं। फल और सब्जियां इनके अच्छे स्रोत होते हैं। ग्रेप सीड का सत्व, को-एंज़ाइम Q10 और पिक्नोजेनॉल इनके अन्य स्रोत हैं।

TEACHERS OF BIHAR

बालमन

अजब गजब

1. एक आम आदमी अपने जीवनकाल में अपने मस्तिष्क की क्षमता का केवल 10 प्रतिशत का उपयोग करता है।

2. वायलिन बनाने के लिए 70 विभिन्न प्रकार की लकड़ी का उपयोग किया जाता हैं।

3. शहद को कांच के जार में अच्छी तरह से बंद करके रखा जाए तो ये कभी खराब नहीं होता है।

4. औसत HB पेन्सिल से लकीर खींची जाए तो वो लकीर 35 मील लम्बी होगी या 50000 शब्द लिखे जा सकते हैं।

5. जब आकाशीय बिजली गिरती हैं तब तापमान 30,000 डिग्री भी हो सकता हैं।

ToB बालमन

🤣हँसना जरूरी है...

टीचर: बच्चों !पता है आजकल सबसे अधिक नकल कहां पर होती हैं ?

एक बच्चा : हां सर ।आजकल सबसे अधिक नकल व्हाट्सएप पर होती है।

पिता- तुम फेल कैसे हो गए बेटा?

बेटा- पेपर में सवाल ही ऐसे-ऐसे आए थे, जो मुझे पता नहीं थे।

पिता- फिर उत्तर कैसे लिखे?

बेटा- मैंने भी उत्तर ऐसे-ऐसे लिखे, जो मास्टर साहेब को भी पता नहीं थे।

ToB बालमन विशेषांक

विषय : भूगोल

भारत के कुछ प्रमुख नदियों के उद्गम स्थल

धीरज कुमार (शिक्षक)
UMS सिलौटा, भभुआ,
कैमूर, बिहार

नदी का नाम	उद्गम स्थल	स्थान/स्थिति
>>> गंगा	गंगोत्री	उत्तराखंड राज्य
>>> यमुना	यमुनोत्री	उत्तराखंड राज्य
>>> ब्रह्मपुत्र	मानसरोवर झील	तिब्बत
>>> सोन	अमरकंटक	मध्य प्रदेश राज्य
>>> नर्मदा	अमरकंटक	मध्य प्रदेश राज्य
>>> गोदावरी	त्र्यंबकेश्वर(नासिक)	महाराष्ट्र राज्य
>>> कृष्णा	महाबलेश्वर	महाराष्ट्र राज्य
>>> कावेरी	तालाकावेरी	कर्नाटक राज्य

बालमन

आपके पेंटिंग

ToB बालमन आपके पेंटिंग भाग 1

नेहा कुमारी
UHS कोटा, नुआंव
कैमूर

मुस्कान कुमारी, वर्ग -6, उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा

रूपा कुमारी
सरौनी कला, मधेपुरा

ज्योति कुमारी
वर्ग -7,UHS SALTHUA, KUDRA, KAIMUR

नंदनी कुमारी
वर्ग- 3
प्राथमिक विद्यालय बड़की बलियारी, बिक्रम, पटना

ToB बालमन आपके पेंटिंग भाग 2

बुनियादी विद्यालय आइलाय चांद, कैमूर

UMS Jhitkahiyan Rampur ,vaishali

UHS कोटा, नुआंव, कैमूर

संतोष कुमार
सरौनी कला, मधेपुरा

ToB बालमन आपके पेंटिंग भाग 3

मध्य विद्यालय शिवगंज
डेहरी ऑन सोन(रोहतास)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय
मोहनपुर, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय खनेठी
रामगढ़, कैमूर

UHS कोहारी
भभुआ, कैमूर

ToB बालमन आपके पेंटिंग भाग 4

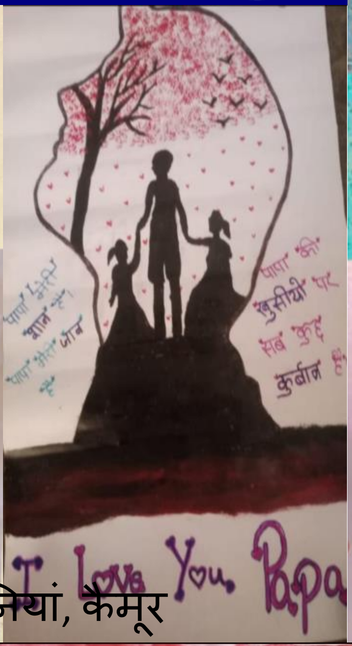

उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा, मोहनियां, कैमूर

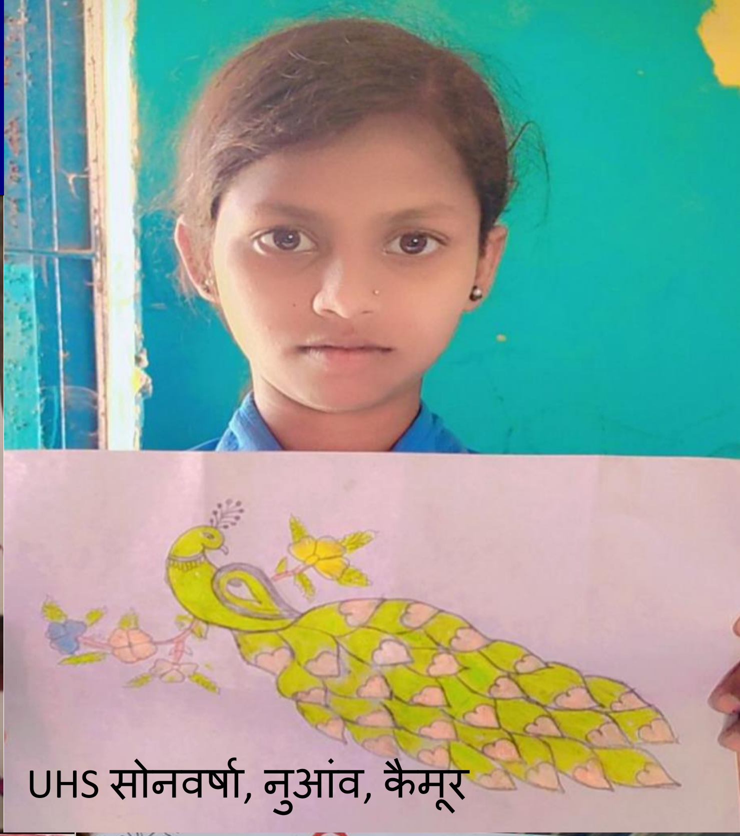

UHS सोनवर्षा, नुआंव, कैमूर

शिवानी कुमारी
क्लास 3
प्रा0 वि0 प्रखंड कॉलोनी फुलवारी शरीफ पटना

संस्कृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय चैनपुर, कैमूर

TOB बूझो तो जानें..

संजय कुमार + धीरज कुमार

बालमन

जुलाई 2024

1

भारत का एक राज्य हूं मैं।
बारिश ज्यादा होना पहचान हैं मेरी।
पूर्वोत्तर की पहचान हूं मैं।
नाम बताने में अब करो ना देरी।

2

मध्य प्रदेश का एक शहर अनोखा,
देश मे अपनी है अलग पहचान ।
साफ सफाई,स्वच्छता हर जगह होता,
स्वच्छता के कारण करता हूं खुद पर शान।

3

एक रूम हैं ऐसा,
जिसमें ना तो खिड़की है और ना
ही कोई दरवाजा।

4

मैं एक बीज हूं ऐसा,
तीन अक्षर का मेरा नाम।
दो दल वाला अन्न हूं।
सब्जी और छोला के रूप में खाते हैं।

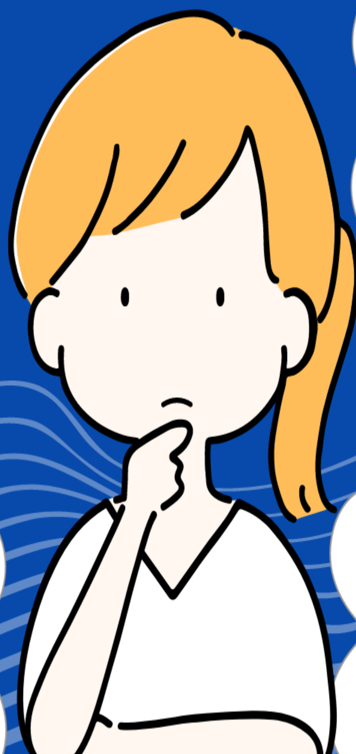

उत्तर 1- मेघालय,2- इंदौर , 3-मशरूम 4- मटर

ToB बालमन कहानी

जुलाई 2024

राजा और मंत्री

एक राजा जिसका बहुत बड़ा राज्य था। कोई कमी नहीं थी जो भी हुक्म करते वही हो जाता था। लेकिन राजा में एक आदत थी कि वह जो भी कोई थोड़ी सी गलती करता उसे तुरंत दस बड़े खुंखार कुत्तों के सामने डालकर उसे कुत्तों से नुचवाता। इस मामले में राजा बड़े गुस्से वाला था। राजा की इस आदत से सभी परेशान थे। राजा का मंत्री भी राजा की इस आदत की आलोचना करता था पर राजा तो राजा ही होता है ,वह कर भी क्या सकता था ?

एक दिन उसी मंत्री से कोई गलती हो गयी। राजा को गलती का पता चला तो राजा ने तुरंत हुक्म दिया कि जाओ मंत्री को कुत्तों के सामने ले जाओ।

मंत्री ने राजा से अपनी गलती पर माफी मांगी लेकिन राजा ने कुछ नहीं सुना। और कहा कि जो कह दिया सो कह दिया। सिपाहियों से कहा की ले जाओ मंत्री को कुत्तों के बाडे में। मंत्री ने कहा ठीक है राजा जी लेकिन मेरी आखिरी इच्छा तो मान लो। राजा ने कहा ठीक है बताओ अपनी आखिरी इच्छा। मंत्री ने कहा मुझे दस दिन की महौलत दे दीजिए बस। राजा ने कहा ठीक है दस दिन की महौलत दे देते हैं लेकिन ग्यारहवें दिन सजा जरूर मिलेगी।

मंत्री दस दिन तक राजा के पास नहीं आया। और ग्यारहवें दिन राजा के सामने पेश हो गया। राजा ने मंत्री को देखा और सिपाहियों से कहा जो सजा रखी थी मंत्री के लिए उसे पूरी की जाए। सिपाही मंत्री को कुत्तों के बाडे में लेकर गये। कुत्तों को भी खोल दिया गया। लेकिन कुत्ते मंत्री पर प्रहार करने के बजाय मंत्री से प्यार से पेश आ रहे थे।

यह देखकर राजा चौंक गया कि जिन कुत्तों को प्रहार करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है वे इतने प्यार से पेश आ रहे हैं। राजा ने मंत्री से कहा कि ये चमत्कार कैसे हो गया! इन कुत्तों को क्या हो गया है। मंत्री ने जवाब दिया कि इन दस दिनों में मैंने इन कुत्तों की बहुत सेवा की है। इन्हें खाना खिलाया, नहलाया अब ये कुत्ते जान चुके हैं कि मैं इनके लिए कुछ अच्छा करता हूँ ना कि बुरा। ये मुझ पर प्रहार नहीं करेंगे। मैंने आपकी इतने दिनों से सेवा की है, फिर भी आप मेरी एक गलती को माफ नहीं कर सके। आपसे ज्यादा अच्छे तो ये कुत्ते हैं जो अच्छा और बुरे को पहचानते हैं।

राजा यह सब देखकर बड़ा शर्मिन्दा हुआ।

TOB बालमन

व्यक्ति विशेष

जुलाई 2024

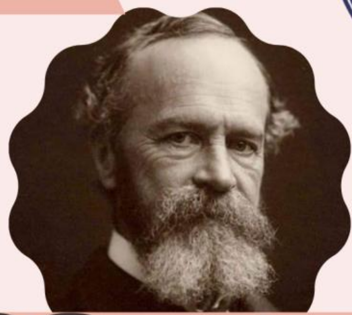

रणजीत कुमार
(लेखक व कवि)
टीम ToB

विलियम जेम्स

वैसे तो प्रत्येक व्यक्ति दार्शनिक होता है यानि सरल भाषा में कहें तो प्रत्येक व्यक्ति के अपने सिद्धांत होते हैं। इसलिए किसी व्यक्ति को साधारण न समझकर उसके अंदर छिपी प्रतिभा को जागृत करना चाहिए। व्यक्ति विशेष को भी चाहिए कि वो अपने आप को कमजोर ना समझे कुछ ना कुछ विशेष गुण उनमें होगा ही जिसको निखारकर वो सफल बन सकता है।

आज हम बात कर रहे हैं प्रसिद्ध अमेरिकी दार्शनिक व मनोवैज्ञानिक विलियम जेम्स की जिनका जन्म ११जनवरी १८४२ दिन न्युयॉर्क में हुआ था।वे आजीवन शिक्षक रहे साथ ही मनोवैज्ञानिक और दार्शनिक सिद्धान्त का खोज करते रहे। वर्ष १८९० में उनकी पुस्तक मनोविज्ञान के सिद्धांत प्रकाशित हुआ जिसने मनोविज्ञान के क्षेत्र में क्रांति ला दी। इन्हें अमेरिकी मनोविज्ञान का पिता का दर्जा दिया गया। विश्व में मनोविज्ञान एवं दर्शन विषयों में इनका योगदान अतुलनीय है। पूरे विश्व इनका सदैव ऋणी रहेगा।

Teachers of Bihar
The Change Makers

ToB बालमन

Class 5
EVS

खेल

* हमारे आस-पास तथा विद्यालयों में बहुत सारे खेल खेले जाते हैं।

* कुछ खेल घर के अंदर खेले जाते हैं, तो कुछ खेल घर के बाहर।

* अधिकांश बच्चे समूह में एक साथ क्रिकेट, खो-खो, फ़ूटबॉल, कबड्डी , पकड़म- पकड़ाई, पोशम्पा खेलते हैं।

* कुछ ऐसे भी खेल होते हैं ,जिसमें सिर्फ दो व्यक्ति ही खेलते है जैसे- शतरंज, बैडमिंटन, कुश्ती इत्यादि।

कुछ खेलों की सूची

1. सूई-धागा दौड़
2. कुर्सी-दौड़
3. नौका-दौड़
4. लुका-छिपी
5. गुड्डा-गुड़िया
6. लुडो

पुनीता कुमारी
राजकीय मध्य विद्यालय नेउरी
बरौली (गोपालगंज)

पेन और पेंसिल आर्ट भाग 1

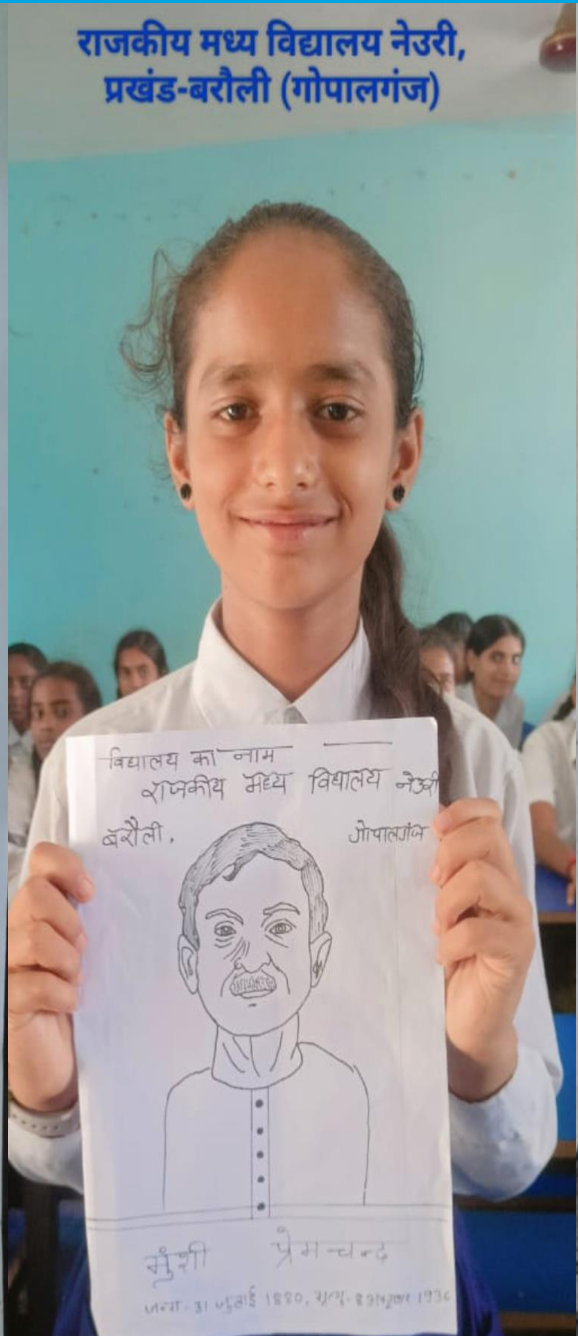

पेन और पेंसिल आर्ट   भाग 2

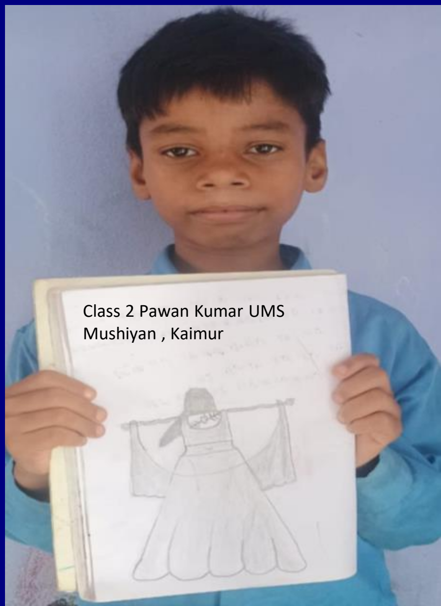

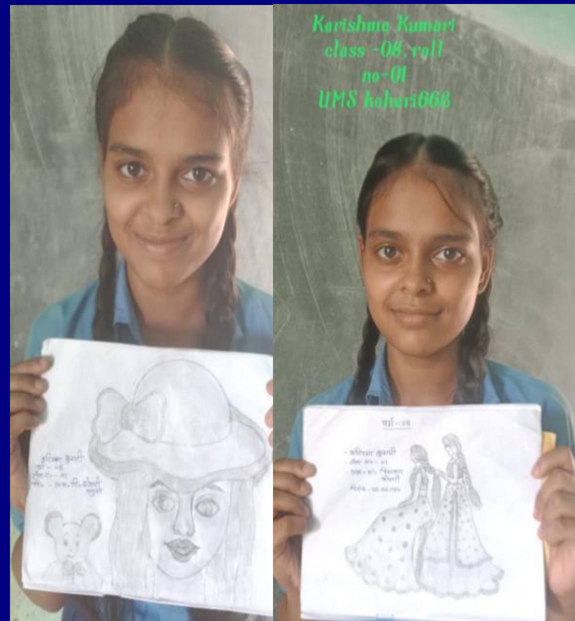

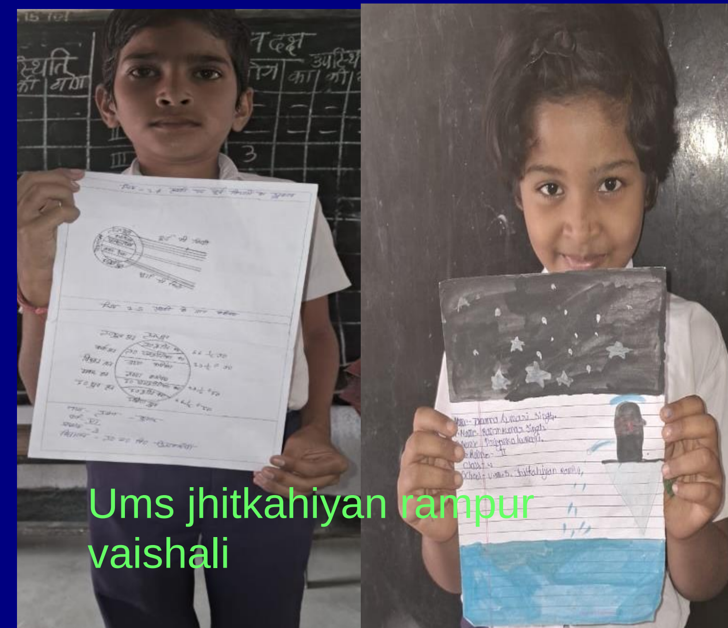

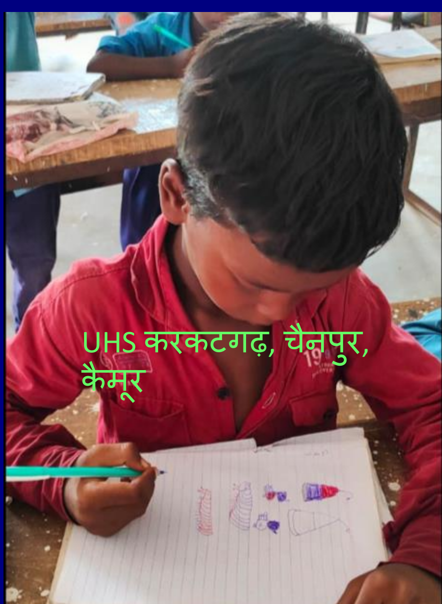

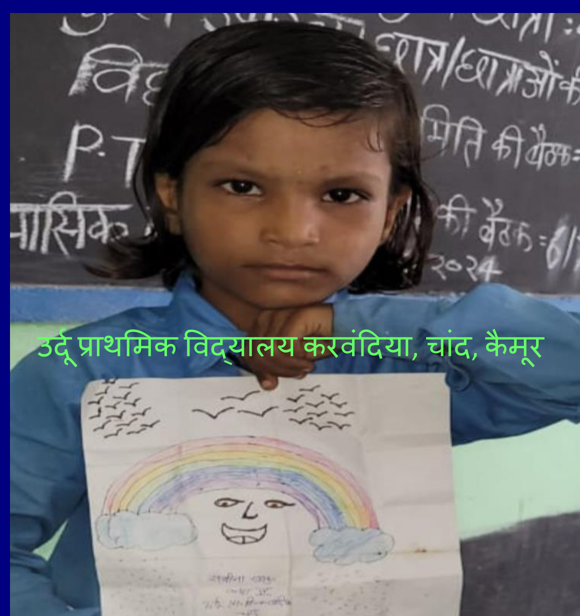

ToB बालमन क्विज

जुलाई 2024

1

डीजल इंजन की खोज किसने की ?

A. रूडोल्फ डीजल B. जोन्स साल्क
C. जेम्स बॉन्ड D. रोनाल्ड रॉस

2

बाली किस देश स्थित हैं ?

A. इंडोनेशिया B. हवाई द्वीप
C. जापान D. पापुआ न्यू गिनी

3

कारगिल विजय दिवस कब मनाया जाता हैं ?

A. 12 जुलाई B. 21 जून
C. 26 जुलाई D. 26 अगस्त

4

राजवाड़ा पैलेस किस शहर में स्थित हैं?

A. विशाखापत्तनम B. अमरावती
C. हैदराबाद D. इंदौर

5

प्रार्थना समाज की स्थापना किसने की ?

A. ईश्वर चंद्र विद्यासागर B. आत्माराम पांडुरंग
C. विनोबा भावे D. राजा राममोहन राय

सही उत्तर: 1.A, 2.A, 3.C, 4.D, 5.B

धीरज कुमार
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा भभुआ कैमूर

ToB बालमन कविता

जुलाई 2024

हरी-भरी पत्तियां

पत्तियां तुम हो कितनी हरी - हरी ,
कहां से मिलती है तुम्हें हरियाली?
जानना चाहूं में भी कार्य तुम्हारी,
कैसे रहती हो तुम इतनी हरी- भरी?

मै हूं चूल्हा घर पेड़ की,
जहां स्वयं भोजन है बनती,
ताकत पत्तियों को है मिलती,
पेड़ों को मिलती है मजबूती।

पत्तों में जब पड़े सूरज की किरण,
पर्णहरित पत्तों की है बहुत महत्वपूर्ण कण,
जड़े लेती है जब धरती से जल,
जिस में होते हैं खनिज- लवण।

तब बन जाती है मेरी भोजन,
मै देती हूं सब को ऑक्सीजन,
फैलाओ न तुम प्रदूषण,
चलो दोनों मिलकर बनाते हैं
वातावरण में संतुलन।

नाम- अक्स नाज
कक्षा -11
ठाकुरगंज
(किशनगंज)

ToB बालमन कविता

बेटी की विनती

जुलाई 2024

पापा खूब पढ़ाओ,
आगे मुझे बढ़ाओ।
शिक्षा का दीप जलाकर,
पापा आप इतराओ ।। पापा खूब ......

पढ़ा लिखाकर पैरों पर अपने,
खड़ा मुझे कराओ ।
बेटी बोझ नहीं पापा की ,
दुनिया को समझाओ ।। पापा खूब ....

बेटी को समाज सेवा में
आगे आप लगाओ ।
बेटी नहीं बेटा से कम,
लोगों को बताओ ।। पापा खूब ....

हाथ जोड़कर करूं मैं विनती,
पापा मेरी सुन जाओ ।
रौशन करूं दो घरों को,
बस शिक्षित मुझे बनाओ।। पापा खूब ....

नाम - दिव्या कुमारी
वर्ग - 10
क्रमांक -02
उत्क्र. उच्च मा० विद्यालय सलथूआ
कुदरा (कैमूर) बिहार

मध्य विद्यालय दरगाहीगंज नरपतगंज अररिया

मध्य विद्यालय मधुबनी पूर्वोत्तर ,सुपौल

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

ToB बालमन

चेतना सत्र

रा .बु. विद्यालय अईलाय, चाँद, कैमूर।

रा. कृ.प्राथमिक विद्यालय पटसेरवां मोहनियां, कैमूर

ToB बालमन कविता

तितली रानी

जुलाई 2024

तितली रानी तितली रानी,
करती रहती मनमानी|
आसमान में शैर करती,
लगती है नादानी||

इस डाल से उसे डाल पर,
चंचल पंख फहराती|
रंग-बिरंगे पंखों वाली,
बच्चों को खूब भाति||

कभी इतराती कभी इठलाती,
उसके पर सबको है भाति|
फूलों का और शोभा बढ़ाती,
उसमें और चार चांद लगाती||

आसमान से आती तितली,
चंचल पंख हिलाती।
इस फूलों से उस फूलों पर,
उस पर बसेरा बनाती।।

अशोक कुमार (शिक्षक)
Sc प्राथमिक विद्यालय नुआंव
कैमूर

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम
(सुरक्षित शनिवार)

RAKESH KUMAR
MIDDLE SCHOOL BALUA MANER (PATNA)

माह: जुलाई

CHILD HELPLINE 1098

प्रथम शनिवार दिनांक 06.07.2024	हाथ धुलाई, व्यक्तिगत स्वच्छता आसपास की साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन की जानकारी एवं अभ्यास	
द्वितीय शनिवार दिनांक 13.07.2024	भूंकप के सन्दर्भ में कौशल विकास, मॉकड्रिल तथा अभ्यास	
तृतीय शनिवार दिनांक 20.07.2024	वज्रपात से वचाव की जानकारी	
चतुर्थ शनिवार दिनांक 27.07.2024	बाढ़ से वचाव हेतु कौशल विकास एवं प्रशिक्षण तथा अभ्यास (मॉकड्रिल)	

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण
www.teachersofbihar.org

माह: अगस्त

CHILD HELPLINE 1098

प्रथम शनिवार दिनांक 03.08.2024	पेयजल की अशुद्धता से होने वाले खतरे एवं उसके उपाय के बारे में जानकारी।	
द्वितीय शनिवार दिनांक 10.08.2024	बाढ़ से खतरे एवं बचाव के उपाय कौशल विकास एवं प्रशिक्षण तथा अभ्यास (मॉकड्रिल)	
तृतीय शनिवार दिनांक 17.08.2024	सांप-बिच्छु एवं अन्य विषैले जीव-जंतुओं के काटने से होनेवाली परेशानियों एवं समाधान के सन्दर्भ में जानकारी।	
चतुर्थ शनिवार दिनांक 24.08.2024	नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के सन्दर्भ में जानकारी ।	

किसी माह पांचवे शनिवार पड़ने की स्थिति में बच्चों को स्वच्छता संबधित जानकारी देंगे एवं उसका अभ्यास करायेंगे।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण
www.teachersofbihar.org

सुरक्षित बैगलेस शनिवार

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

UMS समेली बरकट्ठा, कटिहार

प्रा0 वि0 प्रखंड कॉलोनी फुलवारी शरीफ पटना

UMS दुघरा, भभुआ
कैमूर

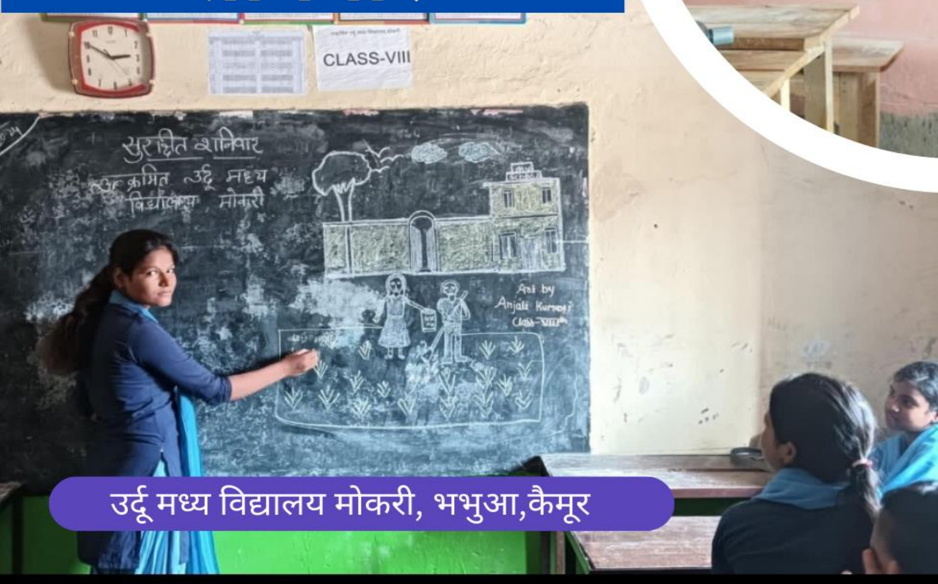

उर्दू मध्य विद्यालय मोकरी, भभुआ,कैमूर

राजकीय मध्य विद्यालय बरौली , गोपालगंज

मधु प्रिया

कारगिल विजय दिवस 26 जुलाई

कारगिल विजय दिवस स्वतंत्र भारत के सभी देशवासियों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिवस है। भारत में प्रत्येक वर्ष 26 जुलाई को यह दिवस मनाया जाता है। इस दिन भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध हुआ था। जो लगभग 60 दिनों तक चला और 26 जुलाई के दिन उसका अंत हुआ, और इसमें भारत विजय हुआ। कारगिल विजय दिवस युद्ध में शहीद हुए भारतीय जवानों के सम्मान हेतु यह दिवस मनाया जाता है। 26 जुलाई 1999 का वो दिन भारतीय सेना के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज है। इसी दिन भारत ने दुनिया के सबसे मुश्किल युद्धों मे से एक कारगिर युद्ध में जीत हासिल की थी। 1999 में कारगिल-द्रास सेक्टर में पाकिस्तानी घुसपैठियों से भारतीय क्षेत्रों को वापस लेने के लिए भारतीय सेना द्वारा 'ऑपरेशन विजय' शुरू किया गया था। कारगिल युद्ध में सैनिकों द्वारा किए गए बलिदान को याद करने के लिए हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। कारगिल युद्ध 1999 में हुआ था, जब पाकिस्तानी सेना और कश्मीरी आतंकवादियों को कारगिल की चोटी पर पाया गया था।

ए० पी० जे० अब्दुल कलाम का निधन 27 जुलाई

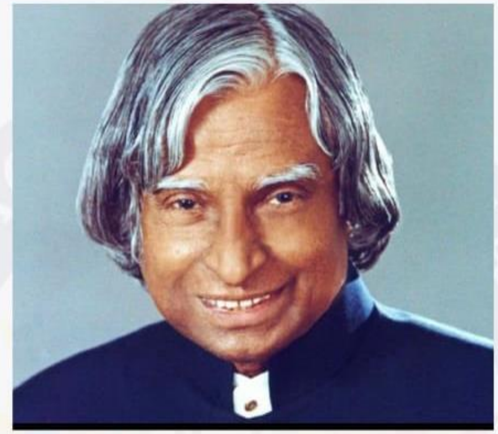

15 अक्टूबर 1931 को धनुषकोडी गाँव (रामेश्वरम, तमिलनाडु) में एक मध्यमवर्ग मुस्लिम अंसार परिवार में इनका जन्म हुआ। इनके पिता जैनुलाब्दीन न तो ज़्यादा पढ़े-लिखे थे, न ही पैसे वाले थे। इनके पिता मछुआरों को नाव किराये पर दिया करते थे। अब्दुल कलाम संयुक्त परिवार में रहते थे। परिवार के सदस्यो की संख्याओं का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है, कि ये स्वयं पाँच भाई एवं पाँच बहन थे और घर में तीन परिवार रहा करते थे। अब्दुल कलाम के जीवन पर इनके पिता का बहुत प्रभाव रहा। वे भले ही पढ़े-लिखे नहीं थे, लेकिन उनकी लगन और उनके दिए संस्कार अब्दुल कलाम के बहुत काम आए। पाँच वर्ष की अवस्था में रामेश्वरम की पंचायत के प्राथमिक विद्यालय में उनका दीक्षा-संस्कार हुआ था। अब्दुल कलाम ने अपनी आरंभिक शिक्षा जारी रखने के लिए अख़बार वितरित करने का कार्य भी किया था। कलाम ने 1950 में मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलजी से अंतरिक्ष विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की । स्नातक होने के बाद उन्होंने हावरक्राफ्ट परियोजना पर काम करने के लिये भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान में प्रवेश किया। 1962 में वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन में आये जहाँ उन्होंने सफलतापूर्वक कई उपग्रह प्रक्षेपण परियोजनाओं में अपनी भूमिका निभाई। परियोजना निदेशक के रूप में भारत के पहले स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपण यान एसएलवी 3 के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई ,जिससे जुलाई 1982 में रोहिणी उपग्रह सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया गया था। कलाम का निधन 27 जुलाई 2015 को मेघालय के शिलॉग में उस वक्त हो गया था, जब आईआईएम में लेक्चर दे रहे थे। मिसाइल मैन के नाम से मशहूर देश के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम यानि अबुल पकिर जैनुलआबेदीन अब्दुल कलाम का आज के ही दिन निधन हुआ था।

रवि शर्मा

आओ सीखें
‘ है ’ और ‘ हैं ’ में अंतर

1. है - एकवचन , हैं - बहुवचन
जैसे :- (क) मछली जल में तैरती है।
(ख) मछलियाँ जल में तैरती हैं।

2. बड़ो के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए भी एकवचन के साथ ‘ हैं ’ का प्रयोग किया जाता हैं।
जैसे :- दादा जी बैठे हैं , और दादी अखबार पढ़ रही हैं ।

TEACHERS OF BIHAR

गुणकारी फल

आम

आम एक प्रकार का रसीला फल होता है। इसे भारत में फलों का राजा भी बोलते हैं। इसकी मूल प्रजाति को भारतीय आम कहते हैं, जिसका वैज्ञानिक नाम मेंगीफेरा इंडिका है। आमों की प्रजाति को मेंगीफेरा कहा जाता है। इस फल की प्रजाति पहले केवल भारतीय उपमहाद्वीप में मिलती थी, इसके बाद धीरे धीरे अन्य देशों में फैलने लगी। इसका सबसे अधिक उत्पादन भारत में होता है। यह भारत, पाकिस्तान और फिलीपींस में राष्ट्रीय फल माना जाता है और बांग्लादेश में इसके पेड़ को राष्ट्रीय पेड़ का दर्जा प्राप्त है। इसमें एंटीऑक्सिडेंट गुण हो सकते हैं।यह एंटी कैंसर एजेंट के रूप में काम कर सकता है। इसमें मधुमेह-रोधी (एंटी-डायबिटिक) गुण हो सकते हैं।इसमें कार्डियो-प्रोटेक्टिव गुण हो सकते हैं।इसमें एंटी-एजिंग गुण हो सकते हैं।इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रभाव हो सकता है।

धीरज कुमार
UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर

TOB बालमन
पर्यावरण गीत

हम सबने ये ठाना है, पर्यावरण बचाना है।
नन्हे - नन्हे हाथों से धरती स्वर्ग बनाना है।।
हो ऽऽ वृक्षारोपण करेंगे हम तो बरसेगा हर सावन हां
बरसेगा हर सावन,
जैसे महके ऋतु बसंत वैसे महके आंगन 2
वैसे महके आंगन।
हम सबने ये ठाना है..............
नन्हे - नन्हे हाथों से धरती........
हो ऽ ऽ नहीं करेंगे आतिशबाजी, ना छोड़े फूलझड़ियां ह
ना छोड़े फूलझड़ियां।
स्वच्छ हवा में सांसे लेंगे और मनाये खुशियां 2
और मनाये खुशियां।
हम सबने ये ठाना है ....
नन्हे - नन्हे हाथों से धरती...........
हो ऽ ऽ नदियों को भी स्वच्छ बनाये, करें न जल का दोहन हां
करें न जल का दोहन।
जैसे निर्मल वातावरण हो वैसे निर्मल जीवन 2
वैसे निर्मल जीवन।
हम सबने ये ठाना है, पर्यावरण बचाना है।
नन्हे -नन्हे हाथों से धरती स्वर्ग बनाना है।।

संगीता कुमारी (शिक्षिका)
U.M.S. अर्रा , मोहनियां
कैमूर (बिहार)

ToB
राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

भारत के लिए ओलम्पिक मेडल जीतने वाली महिलाएं

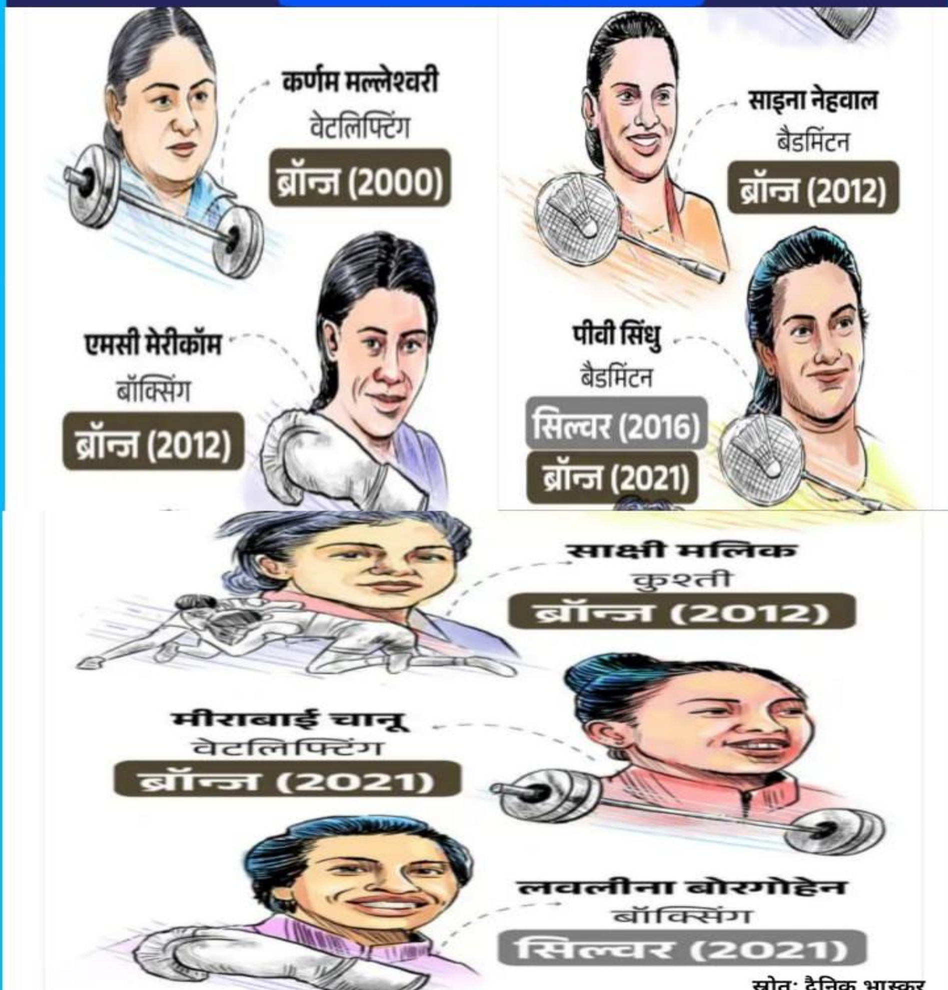

स्रोत: दैनिक भास्कर

पिछले तीन ओलिंपिक में भारत के मेडल

2012 (लंदन) | मेडल 6

पुरुष 4 (67%) ● ● ● ● ● ● महिला 2 (33%)

2016 (रियो डि जेनेरो) | मेडल 2

पुरुष 0 (0%) ● ● महिला 2 (100%)

2021 (टोक्यो) | मेडल 7

पुरुष 4 (57%) ● ● ● ● ● ● ● महिला 3 (43%)

तथ्य

- टोक्यो ओलिंपिक में भारत से 69 पुरुष और 55 महिला खिलाड़ियों के दल ने हिस्सा लिया था। यह लगातार दूसरा ओलिंपिक था जिसमें भारत की ओर से 50 से ज्यादा महिलाएं खेलीं। इस बार महिला हॉकी टीम के क्वालिफाई न करने की वजह महिलाओं की संख्या कुछ कम है। पेरिस में भारत की ओर से 117 एथलीट्स में 47 महिलाएं हिस्सा ले रही हैं। यानी भारतीय दल में 40% महिलाएं हैं।

www.teachersofbihar.org

ToB बालमन

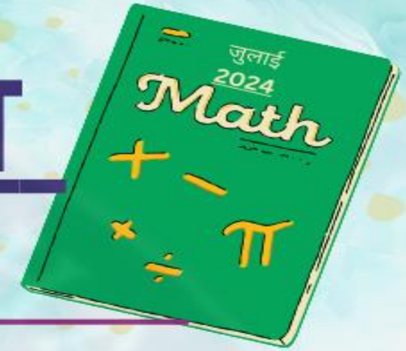

रोचक गणित

👉 **अमेरिकी लोग गणित को "मैथ" इसलिए कहते हैं, क्योंकि उनका तर्क है कि "गणित" एकवचन संज्ञा के रूप में कार्य करता है, इसलिए 'मैथ' भी एकवचन होना चाहिए।**

👉 **शून्य को रोमन अंकों में नहीं दर्शाया जाता है।**

👉 **यदि आप ताश के पत्तों को सही ढंग से फेंटें, तो इस बात की पूरी संभावना है कि आपको जो कार्ड मिलेंगे उनका सटीक क्रम ब्रह्मांड के इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया है।**

👉 **प्रत्येक विषम संख्या में एक "e" होता है।**

👉 **अंग्रेजी भाषा में 'फोर' एकमात्र ऐसी संख्या है जिसे लिखने में उतने ही अक्षर लगते हैं जितने स्वयं संख्या में होते हैं।**

कुमार राकेश मणि
उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटा नुआंव कैमूर

ToB SCIENCE TLM

रासायनिक अभिक्रिया एवं समीकरण

अध्याय 1 कक्षा 10

जब एक या एक से अधिक पदार्थ आपस में अभिक्रिया करके एक या एक से अधिक नए पदार्थ का निर्माण करते हैं उसे रासायनिक अभिक्रिया कहते हैं।

- **अभिकारक (Reactant)**

वह रासायनिक पदार्थ जो रासायनिक अभिक्रिया में भाग लेता है उसे अभिकारक कहते हैं।

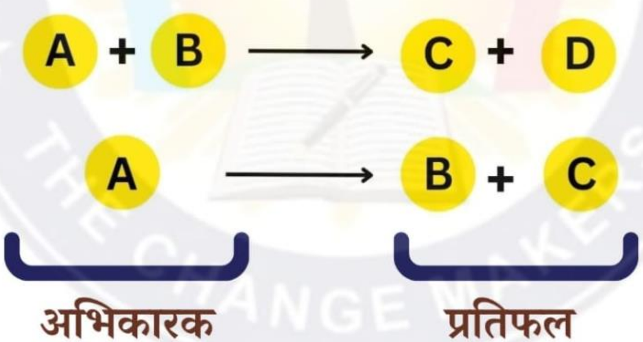

- **प्रतिफल (Product)**

वह रासायनिक पदार्थ जो रासायनिक अभिक्रिया के बाद बनता है उसे प्रतिफल कहते हैं।

रासायनिक अभिक्रिया के गुणधर्म

रासायनिक अभिक्रिया के बाद कुछ विशेष परिवर्तन दिखते हैं जो प्रमाणित करते हैं की रासायनिक अभिक्रिया हुई है।

1. अवस्था में परिवर्तन
2. रंग में परिवर्तन
3. तापमान में परिवर्तन
4. गैस की उत्सर्जन या निकास
5. अवक्षेप का निर्माण

www.teachersofbihar.org
Rajesh Kumar Singh

ToB बालमंच भाग 1

सौजन्य से सोनभद्र एक्सप्रेस
बालमंच

Suhani suman Samastipur

सौजन्य से सोनभद्र
एक्सप्रेस बालमंच

राजकीय मध्य विद्यालय बरौली, गोपालगंज

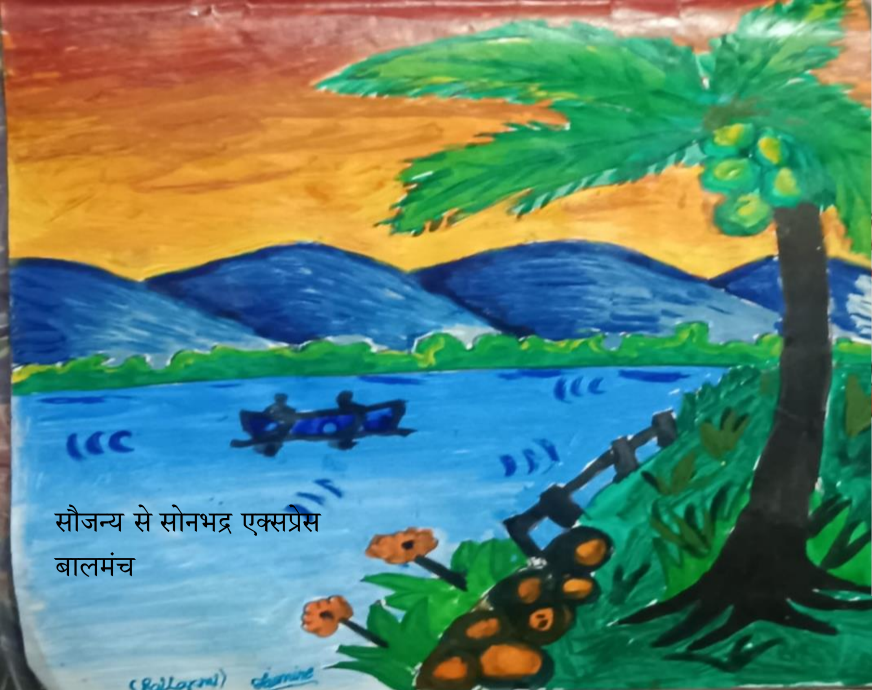

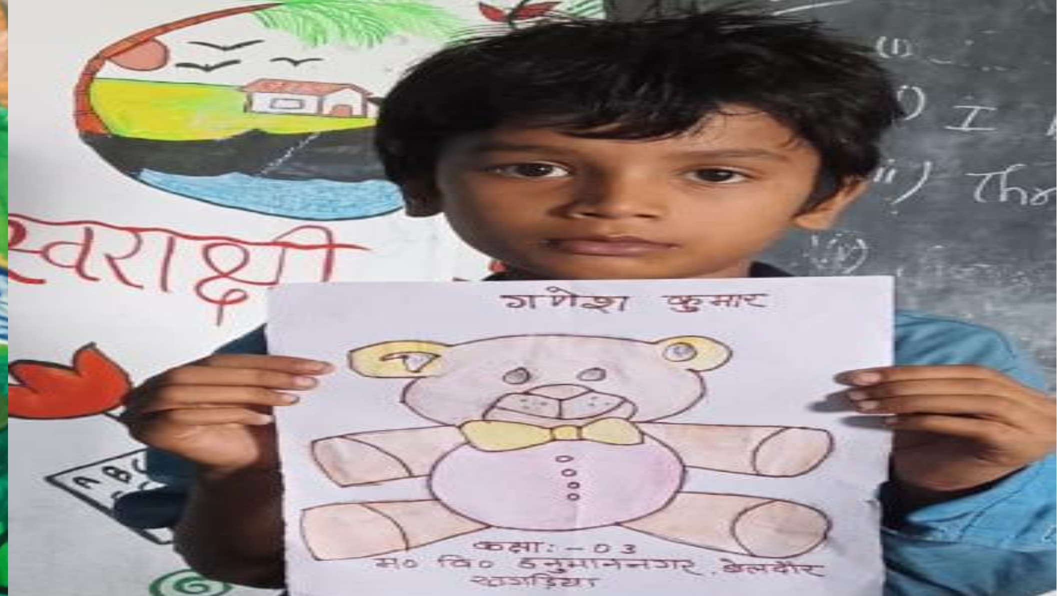

ToB बालमंच भाग 2

ToB बालमन शिक्षण अधिगम सामग्री (जून 2024)

EGG PUZZLE

*कक्षा जिसके लिए TLM उपयुक्त है:- कक्षा -1 एवं 2.
*विषय जिससे TLM संबंधित है- English
बनाने की विधि:- मोटे वाले सफेद चार्ट पेपर को अंडे की आकृति में कुल 26 की संख्या में काट लेंगे।अब काटे गए एक अंडाकार आकृति को लेंगे तथा उसके एक ही तरफ उपर में Capital A तथा नीचे में Small a लिख देंगे। इसी तरह से 26 आकृति पर कुल 26 Letter को लिख देंगे। फिर बीच से कैंची के सहारे अलग अलग Angle से प्रत्येक अंडाकार आकृति को इस तरह काटेंगे की एक टुकड़े पर Capital तथा दूसरे पर Small Letters आ जाए।

अब सभी टुकड़े को फर्श पर फैला देंगे तथा बच्चों को किसी एक Capital Letter का Small Letter ढूंढने के लिए कहेंगे। बच्चों द्वारा ढूंढे गए कार्ड को Capital Letter वाले कार्ड से जोड़ेंगे। अगर दोनों कार्ड आपस में फिट बैठ जाते हैं और अंडे की आकृति बनाते हैं तो समझिए कि उत्तर सही है अन्यथा फिर से प्रयास करने को कहें।

*उपयोगिता:- यह TLM कक्षा 1एवं 2 के बच्चों के लिए खेल खेल में सीखने का एक माध्यम है। इससे बच्चे English के Capital Letter तथा उससे संबंधित Small Letter की जानकारी खेल खेल में प्राप्त कर लेते हैं।

धन्यवाद।

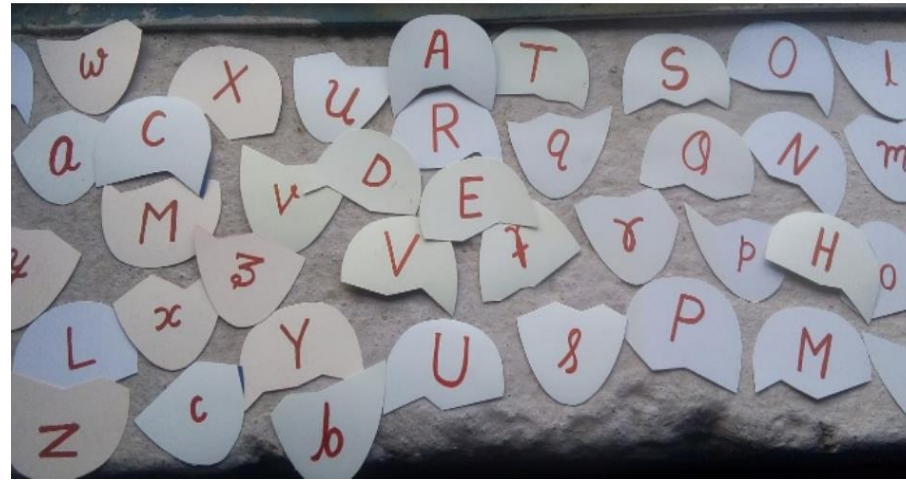

TLM निर्माणकर्ता

नाम:- अवधेश राम
विद्यालय का नाम:- उत्क्रमित मध्य विद्यालय बहुआरा
प्रखंड:- भभुआ
जिला:- कैमूर
whatsapp no. :- 8581943379
email id:- awadheshram54@gmail.com

फोटो ऑफ द मंथ भाग 1

मध्य विद्यालय शिवगंज
डेहरी ऑन सोन,रोहतास

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट
गोपालगंज

NPS तरहनी, कुदरा, कैमूर

फोटो ऑफ द मंथ भाग 2

+2 उच्च विद्यालय कटारी, शेखपुरा

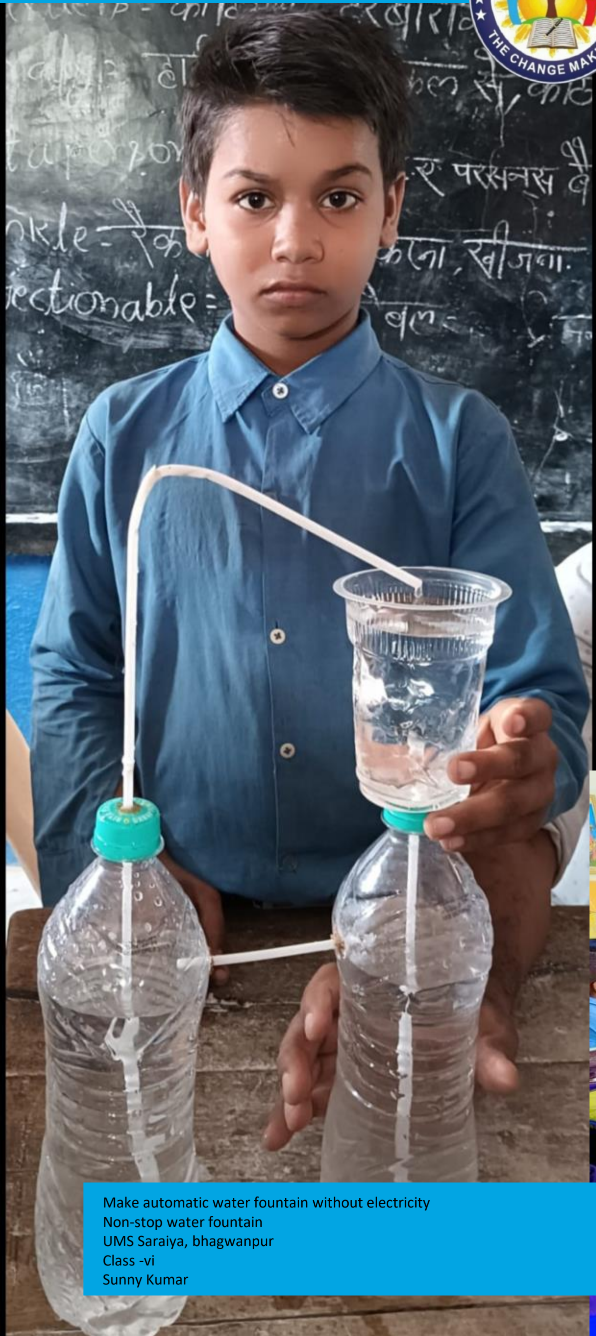

Make automatic water fountain without electricity
Non-stop water fountain
UMS Saraiya, bhagwanpur
Class -vi
Sunny Kumar

NPS ढढणिया, कैमूर

मध्य विद्यालय ओदार, कैमूर

NPS dusadh tol chsksalem,katori

फोटो ऑफ द मंथ भाग 3

UMS सिलौटा, कैमूर

UMS समेली बरकठ्ठा, कटिहार

NPS बिंद टोला,भभुआ, कैमूर

मध्य विद्यालय शिवगंज, डेहरी ऑन सोन, रोहतास

फोटो ऑफ द मंथ भाग 4

UHS भेकास, भभुआ, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय रामपुर, भभुआ कैमूर

UMS करकटगढ़ , चैनपुर, कैमूर

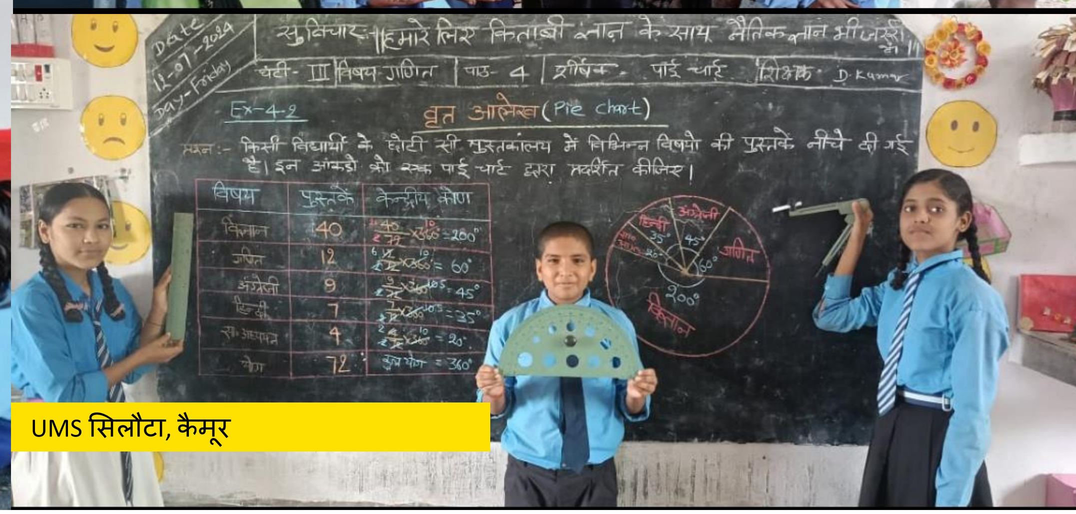

UMS सिलौटा, कैमूर

फोटो ऑफ द मंथ भाग 5

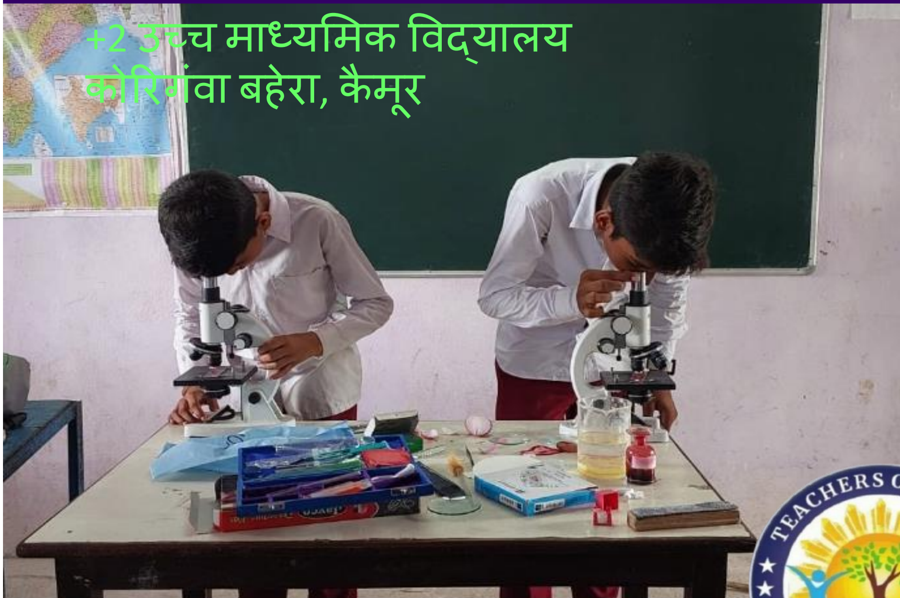

+2 उच्च माध्यमिक विद्यालय कोरिगंवा बहेरा, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय बहुआरा, कुदरा, कैमूर

UHS सलथुआ, कुदरा, कैमूर

UHS सोनवर्षा नुआंव कैमूर

बुनियादी विद्यालय आइलय, चांद, कैमूर

शिक्षा शब्दकोश

भावनात्मक बुद्धि

भावनात्मक बुद्धिमत्ता (ईआाई) आपकी अपनी भावनाओं को प्रबंधित करने और अपने आस-पास के लोगों की भावनाओं को समझने की क्षमता है। ईआाई के पाँच मुख्य तत्व हैं: आत्म-जागरूकता, आत्म-नियमन, प्रेरणा, सहानुभूति और सामाजिक कौशल।

जयंती विशेष 23 जुलाई

राकेश कुमार

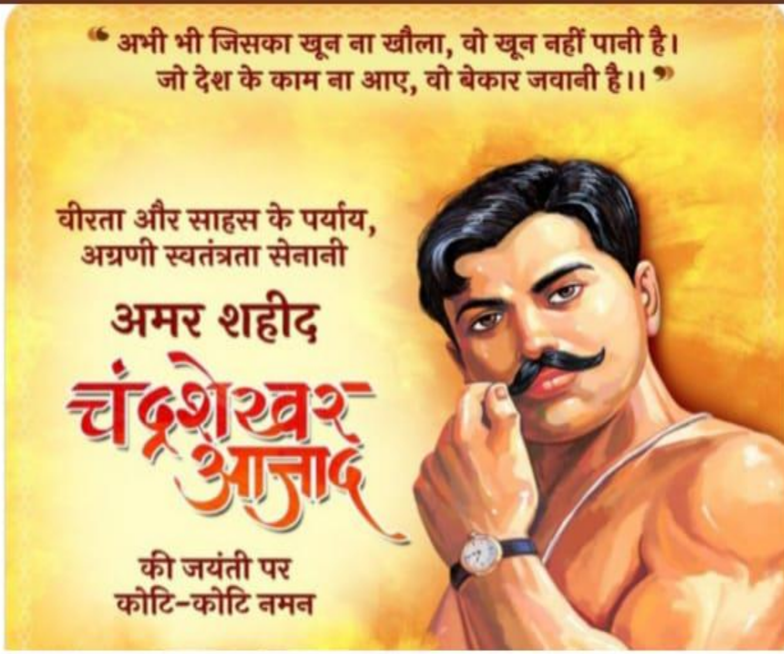

पंडित चंद्रशेखर आज़ाद *Pt. Chandrashekhar Azad*, जन्म- 23 जुलाई, 1906; मृत्यु- 27 फ़रवरी, 1931) भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रसिद्ध क्रांतिकारी थे। 17 वर्ष के चंद्रशेखर आज़ाद क्रांतिकारी दल 'हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' में सम्मिलित हो गए। दल में उनका नाम 'क्विक सिल्वर' (पारा) तय पाया गया। पार्टी की ओर से धन एकत्र करने के लिए जितने भी कार्य हुए, चंद्रशेखर उन सबमें आगे थे।

Teachers of Bihar
The change makers

जयंती विशेष 23 जुलाई

राकेश कुमार

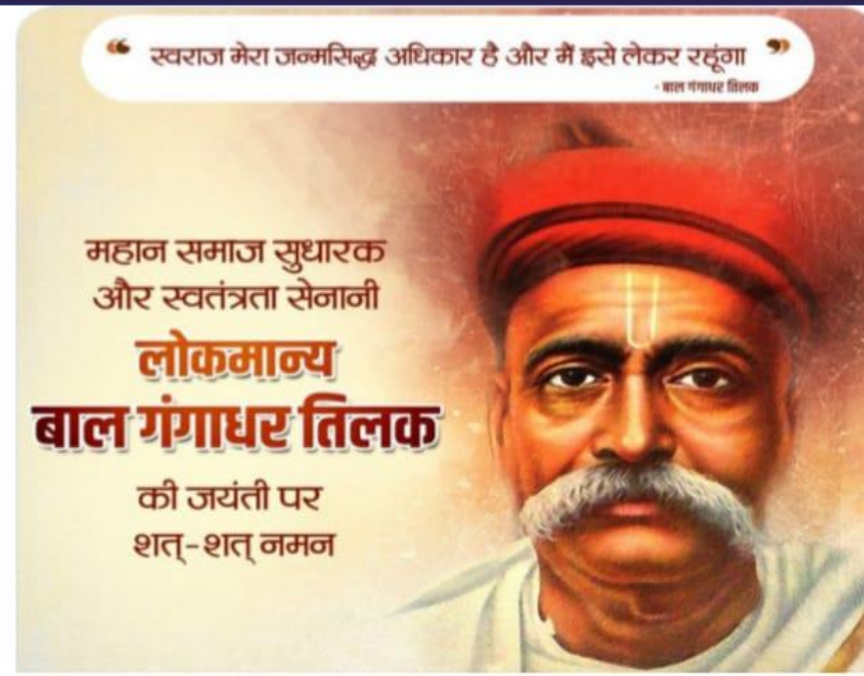

बाल गंगाधर तिलक *Bal Gangadhar Tilak*, जन्म- 23 जुलाई, 1856, रत्नागिरी, महाराष्ट्र; मृत्यु- 1 अगस्त, 1920, मुंबई) विद्वान, गणितज्ञ, दार्शनिक और उग्र राष्ट्रवादी व्यक्ति थे, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता की नींव रखने में सहायता की। उन्होंने 'इंडियन होमरूल लीग' की स्थापना सन् 1914 ई. में की और इसके अध्यक्ष रहे तथा सन् 1916 में मुहम्मद अली जिन्ना के साथ लखनऊ समझौता किया, जिसमें आज़ादी के लिए संघर्ष में हिन्दू-मुस्लिम एकता का प्रावधान था।

www.teachersofbihar.org

News coverage

बिहार में 'शिक्षक समूह' के कार्यों को एनसीईआरटी ने सराहा

विशेष

■ रिंकू झा

पटना । राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने 'शिक्षक समूह' टीचर्स ऑफ बिहार के शिक्षकों के काम की सराहना की है। इस समूह से बिहार के सरकारी स्कूलों के करीब दो लाख शिक्षक जुड़े हैं। उनमें से करीब 50 हजार अपने-अपने स्कूलों में अभिनव प्रयोग कर रहे हैं। एनसीईआरटी ने अन्य राज्यों को भी शिक्षकों के ऐसे समूह बनाने को कहा है, ताकि सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के नवाचार को पहचान मिले।

सभी राज्यों को ऐसा समूह बनाने का दिया निर्देश

केस 1 उत्क्रमित मध्य विद्यालय दीघौत जमुई के प्रधान शिक्षक अभिषेक कुमार हैं। स्कूल में 30 से अधिक छात्रों को हर साल राष्ट्रीय आय सह मेधा छात्रवृत्ति मिलती है। स्कूल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सभी प्रकार के आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था अपने वेतन से करते हैं।

केस 2 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शाहपुर, सिधवलिया (गोपालगंज) के प्राधानाध्यापक अष्टभुजा सिंह बच्चों की ड्रेस की व्यवस्था करते हैं। हर शनिवार बच्चे अलग-अलग रंगों की ड्रेस पहन कर आते हैं। शैक्षणिक स्तर पर गतिविधि आधारित पढ़ाई करवाई जाती है।

केस 3 न्यू प्राथमिक विद्यालय तरहनी, कुदरा (कैमूर) के शिक्षक सिकेंद्र कुमार सुमन कक्षा में तकनीकी सहायता से पढ़ाई करवाते हैं। टेक्नोलॉजी इंट्रीग्रेटेड माध्यम से छात्रों को निपुण बनाते हैं। इससे शिक्षा का स्तर इनके स्कूल में काफी बदल गया है। बच्चे टेक्नो फ्रेंडली हो गये हैं।

एनसीईआरटी ने 26 जुलाई को लर्निंग प्रोफेशनल लर्निंग कम्यूनिटी विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया था। इसमें टीचर्स ऑफ बिहार के शिक्षक भी जुड़े थे। मौके पर एनसीईआरटी ने टीचर्स ऑफ बिहार की तारीफ की। एनसीईआरटी ने बिहार के ऐसे शिक्षकों के वीडियो भी मांगे हैं। इन वीडियो को एनसीईआरटी की वेबसाइट पर डाला जाएगा। कभी सीटी बजाकर स्कूल में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाना तो कभी उन्हें ईमानदारी की सीख देना, जैसे नायाब काम टीचर्स ऑफ बिहार से जुड़े शिक्षक करते हैं। माध्यमिक विद्यालय बांका की शिक्षिका रूबी कुमारी के पढ़ाने का एक वीडियो काफी वायरल हुआ था। इसको शाहरुख खान, अमिताभ बच्चन, आनंद महिंद्रा जैसे कई नामी लोगों ने साझा किया।

"टीचर्स ऑफ बिहार के शिक्षक बहुत बेहतर काम कर रहे हैं। सैकड़ों शिक्षक इनोवेटिव काम कर रहे है। इस तरह के शिक्षकों का ग्रुप अन्य राज्यों में भी होना चाहिए। -डॉक्टर चारू स्मिता मल्लिक, असिस्टेंट प्रोफेसर, एनसीईआरटी

"एनसीईआरटी ने बिहार के शिक्षकों के काम को सराहा है। बिहार के हजारों शिक्षक इनोवेटिव काम करके स्कूल को बेहतर करने में लगे हैं। इससे शिक्षकों की पहचान देश-विदेश में भी हो रही है। -शिव कुमार, कोऑर्डिनेटर, टीचर्स ऑफ बिहार

टीचर्स ऑफ़ बिहार बालमन फादर्स डे स्पेशल पेंटिंग प्रतियोगिता 2024 के परिणाम की हुई घोषणा

न्यूज़12 भारत संवाददाता

गया हर एक बच्चे के जीवन मे माता-पिता की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण होती है। माता-पिता से ही बच्चों में नैतिक एवं सामाजिक गुण आते हैं। इसी को ध्यान मे रखते हुए, अपने पिता के प्रति समर्पण और प्रेम को प्रदर्शित करने के लिए उद्देश्य से फादर्स डे के अवसर पर 13 से 17 जून तक बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार के द्वारा प्रकाशित होने वाली मासिक पत्रिका बालमन के प्रधान संपादक धीरज कुमार के द्वारा बाल मन टैलेंट हंट कंपटीशन के अंतर्गत फादर्स डे स्पेशल पेंटिंग प्रतियोगिता 2024 का आयोजन किया गया। जिसमें बिहार के 22 जिले से वर्ग 1 से 10 तक के कुल 134 बच्चों ने भाग लिया है। यह

प्रतियोगिता उस वक्त आयोजित की गई, जिस वक्त बिहार के सभी विद्यालय भीषण गर्मी के कारण बच्चों एवं शिक्षकों के लिए पूर्णतः बंद थे। इस कठिन परिस्थिति मे इस प्रतियोगिता मे बच्चों को शामिल करना बहुत ही चुनौती पूर्ण था परंतु टीचर्स बिहार

के फाउंडर शिव कुमार के द्वारा बिहार के बच्चों एवं शिक्षकों के शैक्षिक बेहतरी के लिए निर्मित प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के माध्यम से सब कुछ आसान हो गया है। टीचर्स ऑफ बिहार के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े बिहार लाखों शिक्षकों के द्वारा अपने विद्यालय के बच्चों को इस प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया। जिसके फलस्वरूप 5 दिन में ही 22 जिले के 134 बच्चों ने इस प्रतियोगिता मे भाग लिया। सोनभद्र एक्सप्रेस पटना की बाल मंच प्रभारी शिक्षिका निधि चौधरी के द्वारा वर्ग 1 से 5 के बच्चों के पेंटिंग का एवं मीरा कला केंद्र के निदेशक शिक्षक संतोष कुमार के द्वारा वर्ग 6 से 10 के बच्चों के पेंटिंग का मूल्यांकन के साथ-साथ प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेता प्रतिभागियों के नाम की घोषणा की गई है। इसके साथ ही टीचर्स बिहार के इवेंट लीडर शिक्षक केशव कुमार के द्वारा वर्ग 1 से 10 के बच्चों के पेंटिंग से संबंधित पोस्ट जो फेसबुक ग्रुप टीचर्स ऑफ बिहार द चेंज मेकर्स पर साझा किए गए पोस्ट को दर्शकों के द्वारा किए गए लाइक्स के आधार पर प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले चयनित विजेता प्रतिभागियों के नाम की घोषणा मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रोफेसर श्याम शर्मा, पूर्व प्राचार्य पटना आर्ट कॉलेज, ख्याति प्राप्त प्रिंट कलाकार, लेखक, कवि एवं शिक्षाविद की गरिमामयी उपस्थिति में की गई है। सभी श्रेणी के विजेता प्रतिभागी एवं इस प्रतियोगिता मे शामिल होने वाले सभी चयनित प्रतिभागियों का डिजिटल सर्टिफिकेट टीचर्स ऑफ बिहार के वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। इस लेट्स टॉक कार्यक्रम का संचालन टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिक्षक शिव कुमार, टीम के मॉडरेटर शिक्षिका दीपशिखा पाण्डेय एवं बालमन पत्रिका के प्रधान संपादक शिक्षक धीरज कुमार के द्वारा की गई। वहीं तकनीकी सहयोग टीम लीडर शिवेंद्र प्रकाश सुमन एवं तकनीकी टीम के सदस्य सिकेंद्र कुमार सुमन के द्वारा की गई है। यह जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय ठाकुर के द्वारा संयुक्त रूप से दी।

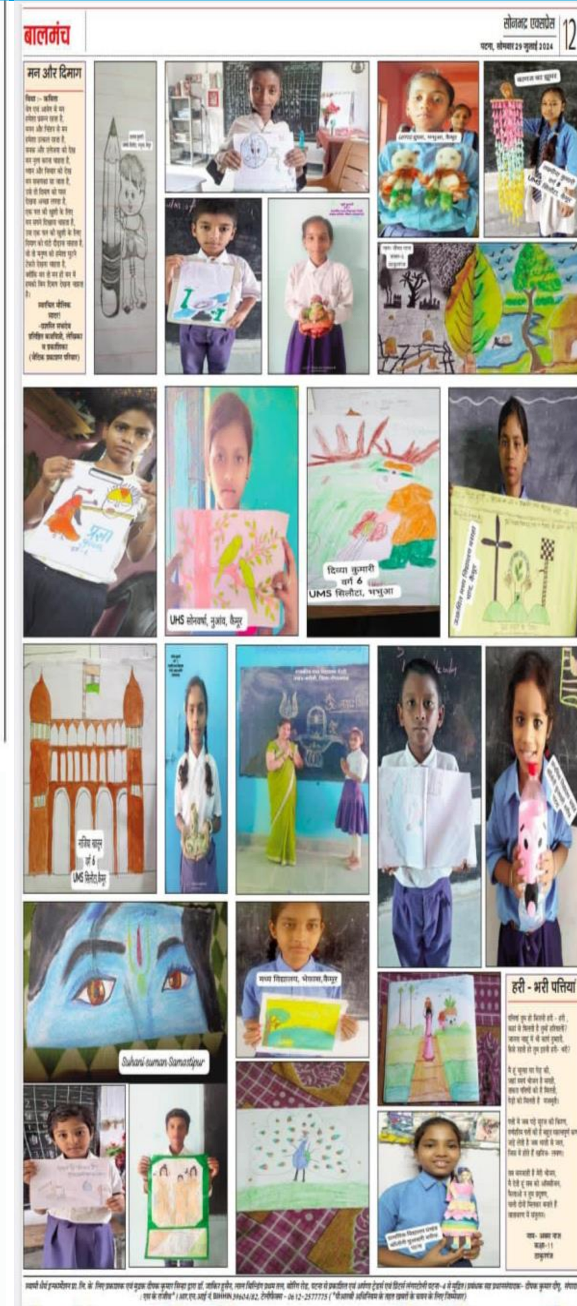

Thank You

अगर आपको पत्रिका अच्छी लगी हो तो कृपया इसे अधिक से अधिक शेयर करे।

यदि आपके कोई सुझाव हो तो 9431680675 पर संपर्क कर सकते है।

www.teachersofbihar.org